राम काव्य की परम्परा एवं अरण्यकाण्ड के सूत्र

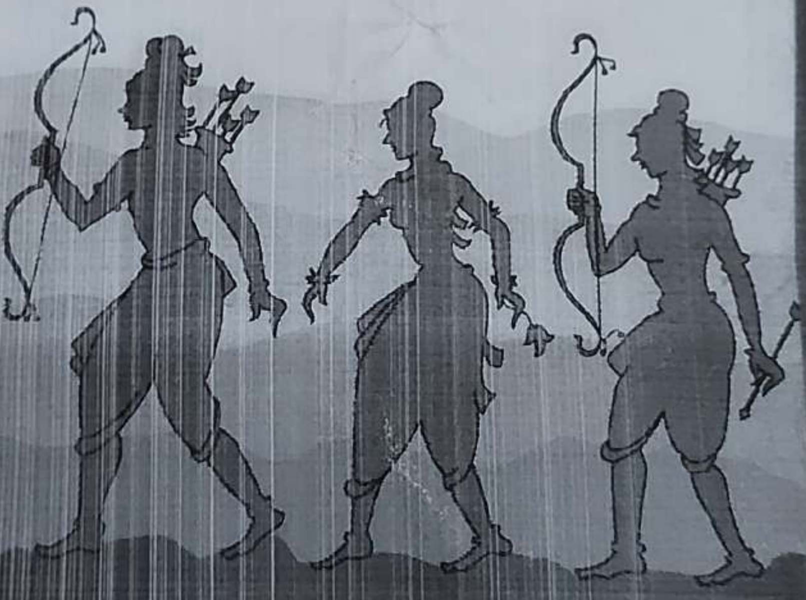

डॉ. नीना उपाध्याय

Published by:
B.R Publishing Corporation
425, Nimri Colony, Ashok Vihar, Phase-IV
Delhi-110 052
E-Mail : brpc@vsnl.com

First Published 2018

© R.N. Srivastava (*b.*1963-)

ISBN 9789387587328

Printed at D.K. Fine Art Press (P) Ltd., Delhi

Publisher's note:

Every possible effort has been made to ensure that the information contained in this book is accurate at the time of going to press, and the publisher and author cannot accept responsibility for any errors or omissions, however caused. No responsibility for loss or damage occasioned to any person acting, or refraining from action, as a result of the material in this publication can be accepted by the editor, the publisher or the author. The Publisher is not associated with any product or vendor mentioned in the book. The contents of this work are intended to further general scientific research, understanding and discussion only. Readers should consult with a specialist where appropriate.

Every effort has been made to trace the owners of copyright material used in this book, if any. The editor and the publisher will be grateful for any omission brought to their notice for acknowledgement in the future editions of the book.

All Rights reserved under International Copyright Conventions. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written consent of the publisher and the copyright owner.

Cataloging in Publication Data--DK
Courtesy: D.K. Agencies (P) Ltd. <docinfo@dkagencies.com>

Srīvāstava, Ara. Ena., 1963- author.
Govā satyāgraha : Madhyapradeśa ke satyāgrahiyoṃ ke sandarbha meṃ / Ara. Ena. Srīvāstava.
pages cm
In Hindi.
On the contribution of freedom fighters from Madhya Pradesh in the Goa liberation movement to end Portuguese colonial rule in Goa, India.
Includes bibliographical references.
ISBN 9789387587328

1. Goa (India : State)--History--Autonomy and independence movements. 2. Goa (India : State)--Politics and government--20th century. 3. Portuguese—India--Goa (State)--History. 4. Nationalists--India--Madhya Pradesh--Biography. I. Title.

LCC DS498.7.S65 2018 | DDC 954.78 23

भारत का वर्तमान गोवा राज्य भारत के अन्य क्षेत्रों की भांति इंग्लैण्ड के अधीन न होकर यूरोप महाद्वीप के एक अन्य साम्राज्यवादी देश पुर्तगाल का उपनिवेश था। गोवा, दमन, द्वीप का यह क्षेत्रा 1510 से ही पुर्तगालियों की दासता में जकड़ गया था। 15 अगस्त 1947 को भारत अंग्रेजी दासता से स्वतंत्र हो गया परन्तु भारत का एक क्षेत्रा (गोवा, दमन, दीव) अभी भी पुर्तगाली शासन के अधीन था। देश के इस भू–भाग को पुर्तगाली दासता से मुक्त कराने के लिए 'गोवा विमोचन सहायक समिति' पुणे के आव्हान पर 1955 में देशव्यापी सत्याग्रह आन्दोलन चलाया गया। इसी आव्हान पर देश भर से विभिन्न संगठनों ने गोवा को पुर्तगालियों से आजाद कराने के लिए चलाये जा रहे सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने के लिए लोगों को प्रेरित कर गोवा भेजा। कुछ लोग स्वयं ही देशप्रेम और भाईचारे की भावना से प्रेरित होकर इसमें भाग लेने गये। मध्यप्रदेश से ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस सत्याग्रह आन्दोलन में भाग लेने के लिए पूना (महाराष्ट्र) और पिफर गोवा विमोचन सहायक समिति के निर्देशानुसार गोवा में प्रवेश कर अत्याचारी पुर्तगाली शासन के खिलाफ सत्याग्रह आन्दोलन किया। इतिहास में यह विषय अल्पज्ञात है। मध्यप्रदेश के गोवा सत्याग्रहियों पर अभी तक कोई जानकारी प्रकाश में नहीं आयी है। सौभाग्य की बात है कि अभी कुछ सत्याग्रही (जिन्हें शासन द्वारा स्वतंत्राता संग्राम सेनानी का दर्जा दिया गया है) हमारे बीच हैं। इनमें से कुछ लोगों से मिलकर गोवा सत्याग्रह के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मुझे मिला। हमारे प्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी जान की परवाह किये बिना इस सत्याग्रह आन्दोलन में भाग लेकर देशप्रेम और भाईचारे की अनुकरणीय मिसाल पेश की। इस आन्दोलन में अनेक सत्याग्रही पुर्तगाली सैनिकों की गोली से शहीद हो गये तथा अनेक गम्भीर रूप से घायल हो गये थे। अन्ततः भारत सरकार ने सैनिक कार्यवाही कर 19 दिसम्बर 1961 को 450 वर्षों से चली आ रही पुर्तगाली दासता से गोवा को आजाद करा दिया। यह पुस्तक गोवा सत्याग्रहियों के योगदान को प्रकाश में लाने का एक विनम्र प्रयास है।

डॉ. राजनारायण श्रीवास्तव जन्म – 4 जुलाई 1963, पिता – स्व. श्री श्यामबहादुर श्रीवास्तव, माता – श्रीमती मुन्नी देवी श्रीवास्तव, जन्म स्थान – रातेपुर, जिला कानपुर (उ.प्र.), शिक्षा – एम. ए. इतिहासऋ पी–एच.डी. रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) प्रकाशित पुस्तकें : 1. भारतीय कला में नाग (मध्यप्रदेश के संदर्भ में) – लेखक, 2. गोवा मुक्ति संग्राम और मध्यप्रदेश के सत्याग्रही – संपादक, 3. गोवा मुक्ति संग्राम और जबलपुर के सत्याग्रही – संपादक, 4. युग–युगों में जबलपुर – सह संपादक, 5. 1857 का स्वतंत्राता संग्राम और कटनी जिला – लेखक, प्रकाशनाधीन (स्वराज्य संस्थान संचालनालय, म. प्र. शासन भोपाल) 32 वर्षों से शैक्षणिक कार्य में संलग्न लगभग 40 शोध पत्रा प्रकाशित, अनेक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों के आयोजक, 04 लघु शोध परियोजनायें पूर्ण सदस्य – इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, इंडियन आर्ट कांग्रेस, इंटेक तथा मध्यप्रदेश इतिहास परिषद। सम्प्रति – प्रोपफेसर, इतिहास विभाग, शासकीय मानकुंवर बाई महिला महाविद्यालय जबलपुर (म. प्र.)

ISBN 9789387587328

B. R. Publishing Corporation
425, Nimri Colony, Ashok Vihar
Phase-IV, Delhi-110052
Tel. 011-23259196, 23259648

Rs.800

गोवा सत्याग्रह

मध्यप्रदेश के सत्याग्रहियों के संदर्भ में

आर.एन. श्रीवास्तव

त्रिपुरी के कलचुरियों की धार्मिक स्थिति

डॉ. वन्दना गुप्ता
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष - इतिहास विभाग
शासकीय स्वशासी मानकुँवर बाई कला एवं
वाणिज्य महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

सूर्यप्रभा प्रकाशन
नई दिल्ली

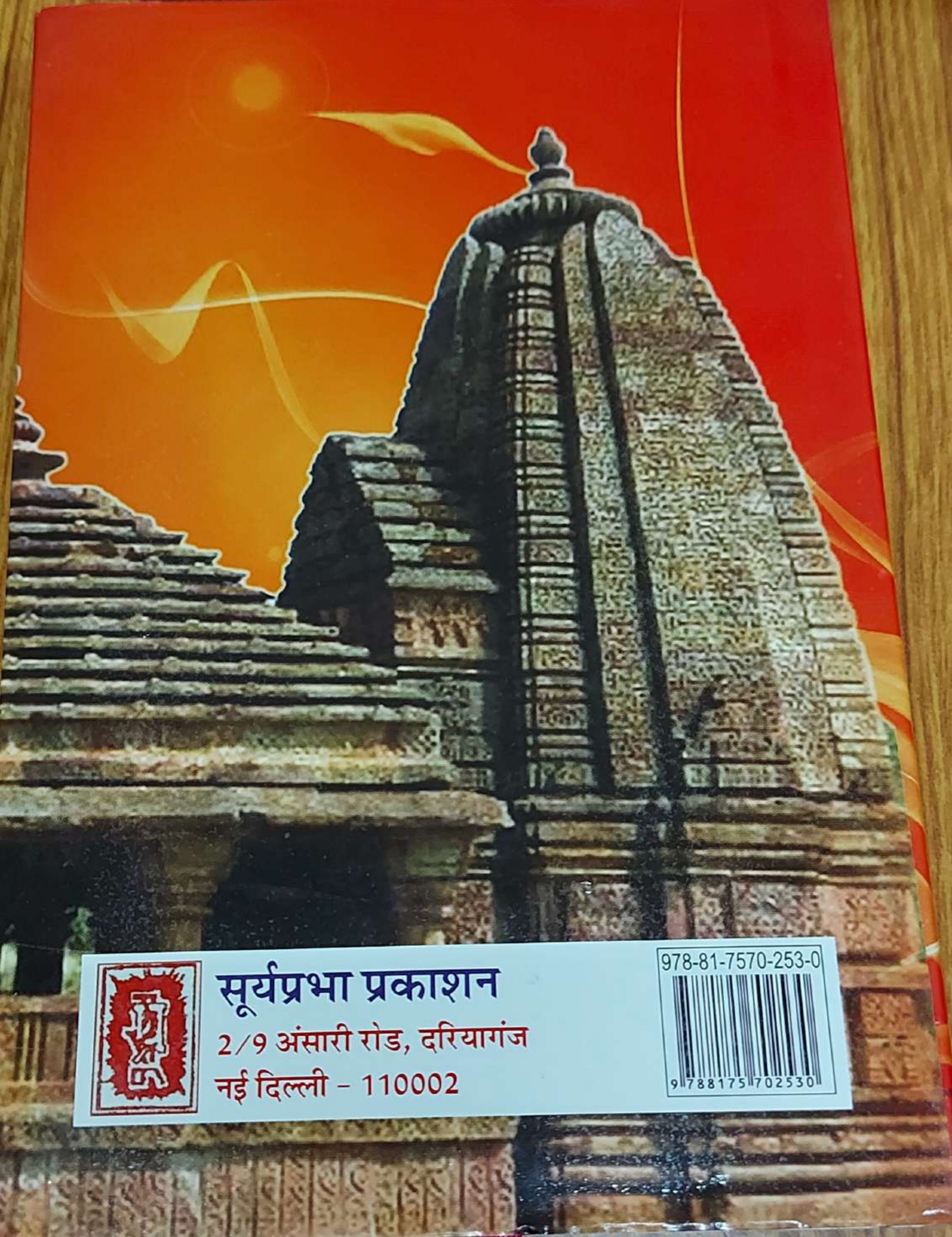

सूर्यप्रभा प्रकाशन

2/9 अंसारी रोड, दरियागंज

नई दिल्ली - 110002

978-81-7570-253-0

त्रिपुरी के कलचुरियों की धार्मिक स्थिति

डॉ. वन्दना गुप्ता

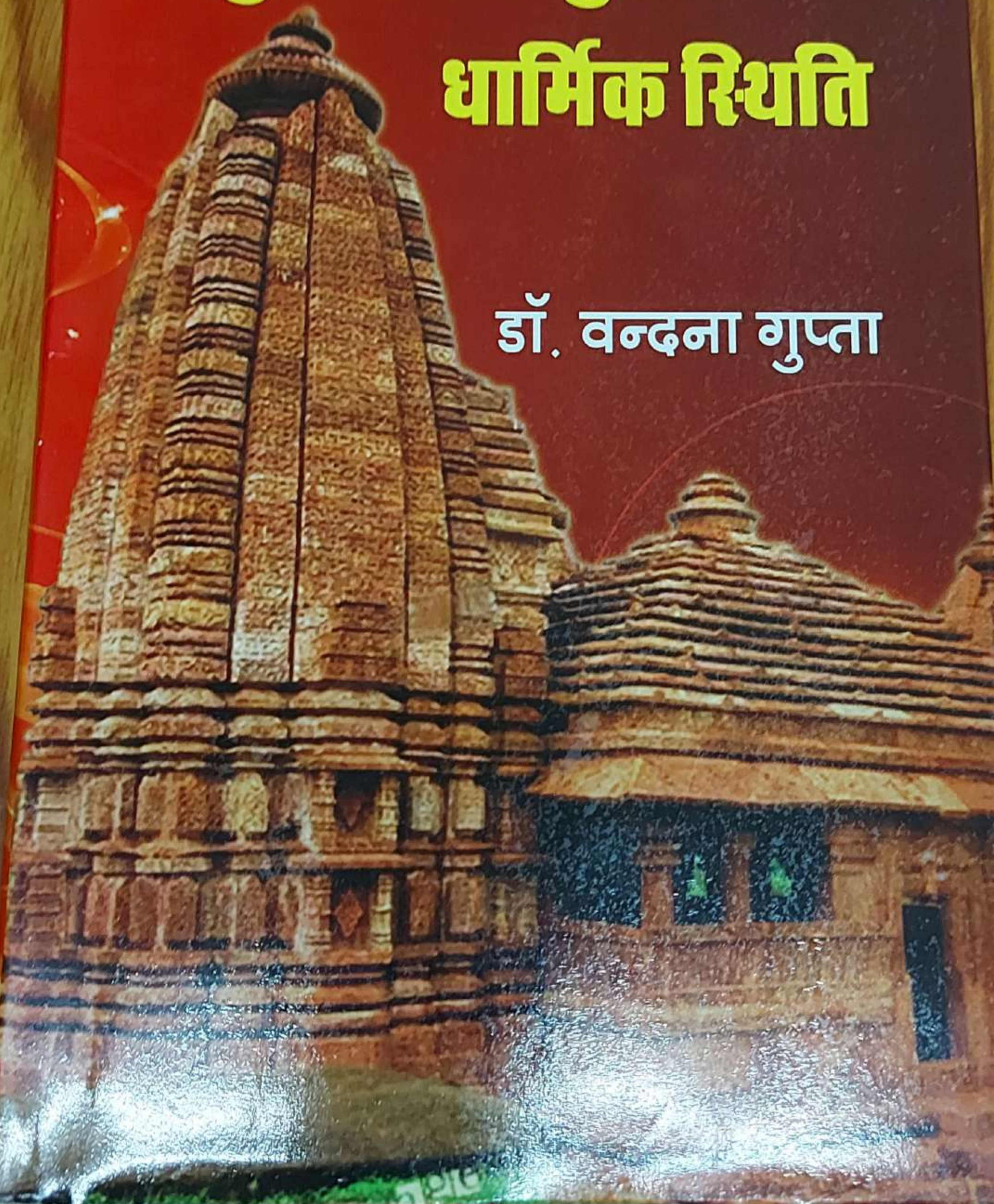

© लेखिका
प्रथम संस्करण : 2020

ISBN : 978-81-943991-5-5

9 788194 399155

राधा पब्लिकेशन्स
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 23247003, 23254306

श्री नितिन गर्ग द्वारा राधा पब्लिकेशन्स के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Itihas Ke Bikhare Panne By Dr. Ranjana Jain

नाम : डॉ. रंजना जैन

जन्म स्थल : टीकमगढ़ (म.प्र.)

शिक्षा : अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा से बी.ए., बरकत उल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से बी.एड., रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से एम.ए. (इतिहास एवं समाजशास्त्र) तथा एल.एल.बी., पी.जी.डी.सी.ए., नेट तथा पी-एच.डी.। 2013 में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से कलचुरीकालीन पुरावशेषों का अध्ययन (त्रिपरी साम्राज्य के कलचुरियों के विशेष संदर्भ में), विषय पर पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

अनुभव : शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में अध्यापन, शासकीय स्नातक महाविद्यालय, जबेरा, जिला दमोह एवं तदोपरांत वर्तमान में शासकीय मानकुंवर बाई महिला कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर में अध्यापनरत।

प्रकाशन : पुस्तक 'त्रिपुरी के कलचुरियों की विरासत' एवं देश की विभिन्न शोध पत्रिकाओं में 30 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित, विभिन्न राज्यों में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में सक्रिय सहभागिता।

सदस्यता : राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न अकादमिक संस्थाओं की आजीवन सदस्यता- इंटेक-इंडिया, इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, म.प्र. इतिहास परिषद, नटनगर शोध संस्थान-सीतामऊ जिला मंदसौर, सेंट्रल इंडियन हिस्टोरिकल रिसर्च फाउंडेशन- ग्वालियर, शोधक- जयपुर, बुंदेलखंड इतिहास परिषद एवं शोध संस्थान- सागर। उपरोक्त के अतिरिक्त स्वराज संस्थान, नेशनल आर्काइव भोपाल द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठियों में निरंतर सक्रिय सहभागिता।

प्रोजेक्ट कार्य : आदिवासी लोककला एवं बोली विकास अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, भोपाल की मध्यप्रदेश के सभी जिलों के लिये की गई शोध परियोजना हेतु जबलपुर जिले के लिये 'जबलपुर जिले की लोकदेवियां' विषय में शोधकार्य एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण। धर्मपाल शोधपीठ स्वराज संस्थान द्वारा प्रदत्त प्रोजेक्ट "महाकौशल के शिलालेख" पर कार्यरत।

पता : फ्लैट न. 4 द्वितीय तल, लक्ष्मण अपार्टमेंट, 323, नेपियर टाउन, आयुष्मान हास्पिटल के बाजू में, रसलचौक, जबलपुर

चलभाष : 9425435500 Email : ranjanajainjbp@gmail.com

₹ 650/-

ISBN : 978-81-943991-5-5

9 788194 399155

RADHA PUBLICATIONS

4231/1, Ansari Road, Daryaganj
New Delhi-110002
Phones : 23247003, 23254306
website. radhapublications.com
Email : radhapublications@rediffmail.com

इतिहास के बिखरे पन्ने

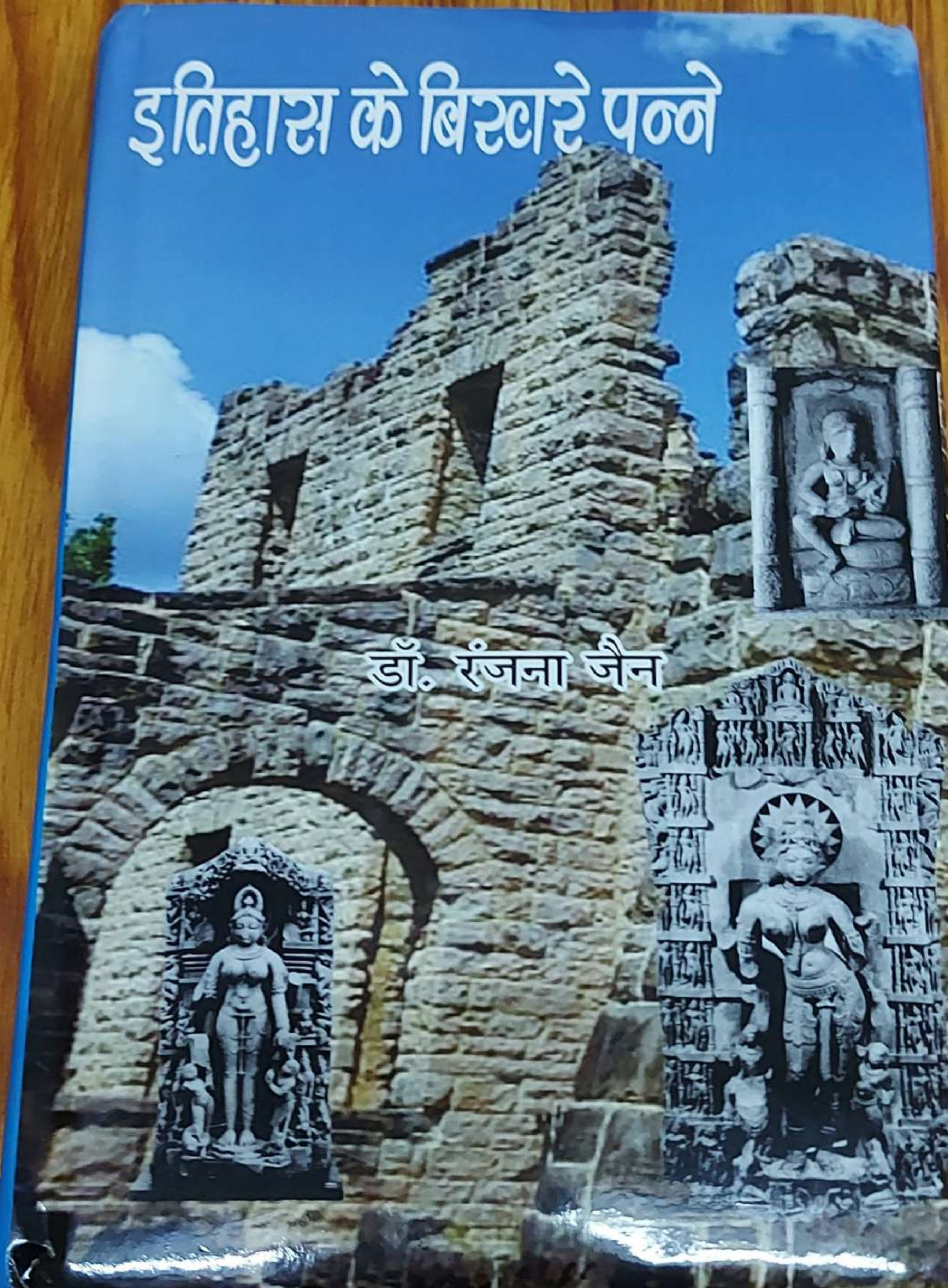

डॉ. रंजना जैन

© लेखिका

पहला संस्करण : 2019
ISBN : 978-93-86439-76-5
ISBN 93-86439-76-X

राधा पब्लिकेशन्स
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 23247003, 23254306

श्री नितिन गर्ग द्वारा राधा पब्लिकेशन्स के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Tripuri Ke Kalchuriyon Ki Virasat
By Dr. Ranjana Jain

नाम : डॉ. रंजना जैन

जन्म स्थल : टीकमगढ़ (म.प्र.)

शिक्षा : अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा से बी.ए. , बरकत उल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से बी.एड., रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से एम.ए. (इतिहास एवं समाजशास्त्र) तथा एल.एल.बी., पी.जी.डी.सी.ए., नेट तथा पी-एच.डी.। 2013 में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से कलचुरीकालीन पुरावशेषों का अध्ययन (त्रिपुरी साम्राज्य के कलचुरियों के विशेष संदर्भ में), विषय पर पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

अनुभव : शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में अध्यापन, शासकीय स्नातक महाविद्यालय, जबेरा, जिला दमोह एवं तदोपरांत वर्तमान में शासकीय मानकुंवर बाई महिला कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर में अध्यापनरत।

प्रकाशन : देश की विभिन्न शोध पत्रिकाओं में 30 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित, विभिन्न राज्यों में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में सक्रिय सहभागिता।

सदस्यता : राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न अकादमिक संस्थाओं की आजीवन सदस्यता- इंटेक-इंडिया, इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, म.प्र. इतिहास परिषद, नटनगर शोध संस्थान-सीतामऊ जिला मंदसौर, सेंट्रल इंडियन हिस्टोरिकल रिसर्च फांउडेशन- ग्वालियर, शोधक- जयपुर, बुंदेलखंड इतिहास परिषद एवं शोध संस्थान- सागर। उपरोक्त के अतिरिक्त स्वराज संस्थान, नेशनल आर्काइव भोपाल द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठियों में निरंतर सक्रिय सहभागिता।

प्रोजेक्ट कार्य : आदिवासी लोककला एवं बोली विकास अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, भोपाल की मध्यप्रदेश के सभी जिलों के लिये की गई शोध परियोजना हेतु जबलपुर जिले के लिये 'जबलपुर जिले की लोकदेवियां' विषय में शोधकार्य एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण।

पता : फ्लैट न. 4 द्वितीय तल, लक्ष्मण अपार्टमेंट, 323, नेपियर टाउन, आयुष्मान हास्पिटल के बाजू में, रसलचौक, जबलपुर

चलभाष : 9425435500 Email : ranjanajainjbp@gmail.com

ISBN 93-86439-76-X

RADHA PUBLICATIONS

4231/1, Ansari Road, Daryaganj
New Delhi-110002
Phones : 23247003, 23254306
website. radhapublications.com
Email : radhapublications@rediffmail.com

त्रिपुरी के कलचुरियों की विरासत

डॉ. रंजना जैन

मध्यप्रदेश की महिला लेखिकाओं ने कथा–साहित्य में अपना विशिष्ट योगदान दिया है । म.प्र. की ही आधुनिक कथा लेखिका उषा मित्रा सुभद्रा कुमारी चौहान का नाम विशेष रूप से लिया जाता है । इन लेखिकाओं ने भारतीय समाज की स्थिति का यथार्थ वर्णन करते हुए नारी जीवन की समस्याओं पर भी अपनी कहानी की कथावस्तु ली । प्रदेश की महिला कथा लेखिकाओं में हिन्दी कथा लेखन में ख्याति अजित की है इन लेखिकाओं में मालती जोशी, मन्नू भंडारी, मेहरून्निशा, परवेज, उर्मिला शिरीष, चित्रा चतुर्वेदी, मृणाल पाण्डेय, कृष्णा, अग्निहोत्री तनूजा चौधरी का नाम उल्लेखनीय है । इन लेखिकाओं ने अपने कथा–साहित्य के माध्यम से एक ओर समाज और व्यक्ति को आन्तरिक संवेदनाओं को व्यक्त किया है वही बदलते जीवन मूल्य का चित्रण भी किया है । मध्यप्रदेश की प्रमुख महिला लेखिका है–सुभद्रा कुमारी चौहान, उषा देवी मित्रा, मालती जोशी, मेहरून्निशा परवेज, कृष्णा अग्निहोत्री, मन्नू भंडारी, मृणाल पाण्डेय, उर्मिला शिरीष, चित्रा चतुर्वेदी, उर्मिकृष्ण, ललिता रावल, शशि नायक, सुषमा मुनीन्द्र, राजकुमारी रश्मि, रोमा चटर्जी, निकहत शाजापुरी, छाया श्रीवास्तव, उषा जायसवाल, विधावती, मालविका, ज्योत्सना मिलन, तनूजा चौधरी, संध्या जैन 'श्रुति', कौसर जहां कौसर इन लेखिकाओं ने कथा–साहित्य को पूर्णतः समृद्ध किया है ।

डॉ. प्रज्ञा अनुरागी ने हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्रथम श्रेणी में भोपाल विश्वविधालय से प्राप्त (जय शंकर प्रसाद विशेष अध्ययन के रूप में) की है। उन्होंने पी.एच.डी.उपाधि रानी दुर्गावती विश्वविधालय जबलपुर से प्राप्त की है। डॉ. प्रज्ञा अनुरागी विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्टियों में शोधआलेख प्रस्तुत एवं शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन कर चुकी हैं एवं अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलन द्वारा सुमन चतुर्वेदी स्मृति सम्मान से सम्मानित हैं।

@writersgrampublications
www.writersgrampublications.com

NON-FICTION

9 789389 244069

M.R.P. INR 350

मध्यप्रदेश की महिला कथाकार

Poetry by Dr. Pragya Anuragi

First Impression: July 2019

© Dr. Pragya Anuragi

ISBN: 978-9389244069

Published by: Writersgram Publications, New Delhi

www.writersgrampublications.com
publications@writersgram.com

Printed in India

Maximum Retail Price: ₹ 350/-

Dr. Pragya Anuragi asserts the moral right to be identified as the author of this book.

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system or transmitted, in any form, or by any means (electrical, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

मध्यप्रदेश की महिला कथाकार

डॉ. प्रज्ञा अनुरागी

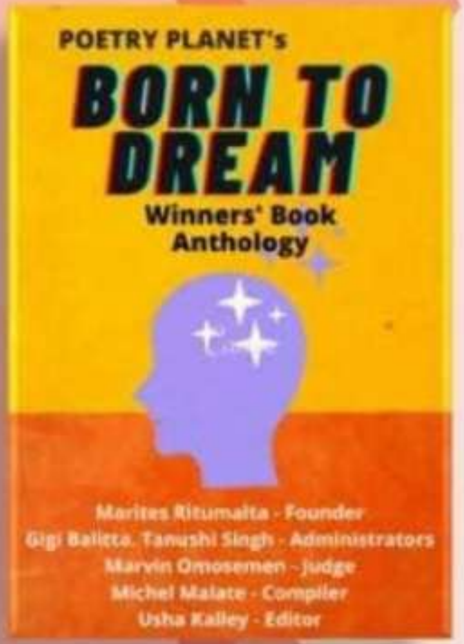

CERTIFICATE OF PUBLICATION

IS AWARDED TO

USHA KALLEY

EDITOR

POETRY PLANET PUBLISHING HOUSE
AWARDS FOR PUBLISHED WRITERS AROUND THE GLOBE
TITLE: **"BORN TO DREAM"**
ISBN: 979-8685083777
978-1716588570
Date of Publication: *September 10, 2020*

Given on the 17th day of September, 2020

PUBLISHER

https://www.facebook.com/poetryplanet143/?ref=bookmarks

11:32

COPYRIGHT © 2020 BY EVERY INDIVIDUAL CONTRIBUTED

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods without the prior written permission of the publisher and compiler, except in the case of brief quotations embodied in critical reviews and certain other non-commercial uses permitted by copyright law. For permission requests, write to the publisher at lovelypoetess95@gmail.com.

Published Poetry Planet Publishing House
Cover designed by Marites Ritumalta
Edited by Usha Kalley
Cover picture by Pixabay and may contain its own copyright

Move to archive

Share Edit Lens Delete

Bookemon.com

bookemon

Create Yours

The Editor

Dr. Usha Kalley

Editor

Dr. Usha Kalley is working as a Professor of English in the department of Higher Education of the state of Madhya Pradesh (India) with a behemoth experience of 26 years in teaching and research. In 2004, she completed her doctoral degree on the topic "Treatment of Nature in the Poetry of Whitman & Tagore: A Comparative Study". In 2011, she translated the short stories of the author Malti Joshi from Hindi to English as part of a Minor Research Project. She has a penchant for reading and writing which has resulted in earning her laurels in the creative field. Dr. Kalley has various publications to her credit including a number of poems and prose pieces on diverse issues and contexts emerging out of her observation of life and literature. She regularly contributes as a blog and content writer. Freelance mentorship and guidance is also provided by her to the aspiring writers and artists.

2 SHARES

15:22
Bookemon.com
bookemon
Create Yours

BORN TO DREAM

WINNERS' BOOK ANTHOLOGY

Marites Ritumalta - Founder
Gigi Balita, Tanushi Singh - Administrators
Marvin Omosemen - Judge
Michel Malate - Compiler
Usha Kalley - Editor

dream

2
SHARES